

‘कोसी बेसनि विकास परियोजना’ के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सड़क और पुल का होगा नरिमाण

चर्चा में क्यों?

11 अप्रैल, 2023 को मीडिया से माली जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कोसी के बाढ़ प्रभावित लोगों के जीवन स्तर को सुदृढ़ बनाने के लिये 277 करोड़ रुपए की राशिसे ‘कोसी बेसनि विकास परियोजना’ के तहत सड़क और पुल-पुलिया का नरिमाण किया जाएगा।

प्रमुख बदि

- ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक संपोषति कोसी पुनर्वास योजना के दूसरे चरण का कार्य मार्च 2023 में पूरा होना था। लेकिन 72% ही काम अभी तक हुआ है, जिस कारण से कोसी पुनर्वास योजना के दूसरे चरण के कार्य को 15 महीने का वसितार दिया गया है। अब इस योजना को जून 2024 तक पूरा किया जाएगा।
- राज्य सरकार ने कुशहा तबाही के बाद कोसी के पुनर्नरिमाण की योजना बनाई है। इसके तहत कोसी क्षेत्र और यहाँ के लोगों को त्रासदी से बाहर निकालने और विकास के लिये विश्व बैंक ने 67% और बहिर सरकार 33% की फंडिंग की है।
- इस योजना के पहले चरण के अंतर्गत विश्व बैंक की मदद से 15 सतिंबर, 2010 को बहिर कोसी बेसनि विकास परियोजना की शुरुआत हुई, जिसके तहत सहरसा, सुपौल और मधेपुरा के 21 प्रखंडों में 31 दसिंबर, 2018 को विकास कार्य समाप्त हो चुका है।
- वदिति है कि 18 अगस्त, 2008 को नेपाल के कुसहा गाँव के समीप लगभग दो किलोमीटर की लंबाई में कोसी नदी की धारा बदल लेने के बाद कोसी बाँध के बह जाने से नेपाल के 34 गाँव समेत पूर्वोत्तर बहिर के 441 गाँवों की बड़ी आबादी बाढ़ की चपेट में आई थी। सरकारी आँकड़ों के अनुसार इस बाढ़ से सहरसा ज़िले में 41, मधेपुरा में 272 और सुपौल ज़िले में 213 लोगों की मौत हुई थी।
- कोसी बेसनि विकास परियोजना के दूसरे चरण का काम इस समय मात्र 72 फीसदी ही पूरी हो पाया है, बाकी बचे शेष 28 फीसदी काम का तीन महीने में पूरा होने की संभावना नहीं के बराबर है। इसलिये इस योजना के वसितार का नरिणय लिया गया है।